RAN-18011303010400001

RAN-1801130301040001

M.A. (Semester-I) Examination March - 2026

Hindi : Paper-4(A) Core Course-04

Mordern Hindi Poetry - Kamayani and Jaydrathvadh

[Total Marks: 50

સૂચના : / Instructions

(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book.

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाये गए है।

Seat No.:

Student's Signature

प्र–1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। (किन्हीं पाँच) **10**

1) 'कामायनी' में प्रकृति चित्रण कौन कौन से रूपों में देखने मिलता है?
2) भामह द्वारा दी गई महाकाव्य की परिभाषा लिखिए।
3) कलापक्ष के अर्तगत कौन कौन से तत्त्वों का समावेश होता है?
4) अभिमन्यु की मृत्यु पर उत्तरा की दशा कैसी होती है?
5) जयद्रथ का कवच बनकर कौन कौन खड़े थे?
6) वैकुंठ लोक का वर्णन कीजिए।
7) जयद्रथ की मृत्यु कैसे होती है?

प्र–2. महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए। **13**

अथवा

प्र–2. श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

प्र–3. कृष्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

अथवा

प्र–3. भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'जयद्रथ वध' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। **13**

प्र–4. अ) टिप्पणी लिखिए **07**

1) छायावाद की विशेषताएँ।

अथवा

1) 'जयद्रथ वध' काव्य के गौण पात्र।

प्र–4. ब) संदर्भ लिखिए :– **07**

1) ''तुम फूल उठोगी लतिका सी,
कम्पित कर सुख सौरभ तरंग,
मैं सुरभि खोजता भटकूँगा,
वन वन बन कस्तूरी कुरंग।''

अथवा

1) ''बोला जयद्रथ से वचन कुरुराज तब सानंद यों,
हे वीर ! रण में अब नहीं तुम घूमते स्वच्छंद क्यों?
अब सूर्य के सम पार्थ को भी अस्त होते देख लो,
चलकर समस्त विपक्षियों को ध्वस्त होते देख लो।''